AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : दीक्षांत में डॉ. संजय सिंह को मिलेगी मानद उपाधि

माई सिटी रिपोर्टर

विवि के पूर्व छात्र व जेनोवा फार्मास्यूटिकल्स के हैं सीईओ, इनके नेतृत्व में ही विकसित की गई एमआरएनए वैक्सीन

लखनऊ। लविवि के 21 जनवरी को होने वाले दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और जेनोवा बायो फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पुणे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संजय सिंह को मानद उपाधि दी जाएगी। उनके नाम देश की पहली स्वदेशी एमआरएनए कोविड वैक्सीन विकसित करने की भी उपलब्धि है। राजभवन से इनके नाम को मंगलवार को हरी झंडी मिलने के बाद विवि प्रशासन ने इससे जुड़ी तैयारी शुरू कर दी है।

डॉ. संजय सिंह।

डॉ. संजय सिंह ने अपने विश्वविद्यालय में मानक उपाधि दिए जाने को खुद के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने बताया कि मैने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीएससी और बायोकेमिस्ट्री में एमएससी 1987 में की थी। 1993 में सीडीआरआई से पीएचडी की। इतना ही नहीं विश्वविद्यालय में नैक टीम के भ्रमण के दौरान वॉल ऑफ फेम में भी वे शामिल किए गए थे। उनके पिता प्रो. बीके पीएन सिंह लविवि में ही भौतिक विज्ञान विभाग के शिक्षक रह चुके हैं। उनके छोटे भाई ने भी लखनऊ विश्वविद्यालय से ही पढ़ाई की है। बता दें कि डॉ. सिंह के नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर पहली बार वैश्विक पेटेंट हासिल करने, मलेरिया, एचपीवी, लीशमैनियासिस जैसे रोगों के टीके के विकास के लिए भी अनुसंधान किया गया है।

वर्तमान में संजय सिंह राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र पुणे के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड में, सीएसआईआर की अनुसंधान परिषद में, भारतीय उद्योग परिसंघ की राष्ट्रीय समिति में भी शामिल हैं। बता दें कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दीक्षांत में मानद उपाधि देने के लिए डॉ. संजय सिंह के साथ ही पद्मश्री अनूप जलोटा, इंटेल इंडिया कंपनी की हेड निवृत्ति राय के नाम राजभवन भेजे गए थे। ये तीनों ही विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं और राष्ट्रीय फलक पर चमके हैं। इनमें से डॉ. सिंह के नाम पर अंतिम मुहर लगी है।

NBT PAGE 5

जेनोवा बायोफार्मा के सीईओ को मानद उपाधि

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू इस बार दीक्षांत समारोह में पुणे की जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के सीईओ डॉ. संजय सिंह को मानद उपाधि देगा। गवर्नर ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है। एलयू से तीन नाम मानद उपाधि के लिए भेजे गए थे। उनमें से डॉ. संजय का नाम चुना गया है। एलयू के पीआरओ डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक डॉ.संजय सिंह ने एलयू से 1987 में बायोकेमिस्ट्री से एमएससी किया था। उनके पिता प्रो.बीकेपीएन सिंह एलयू में ही फिजिक्स पढ़ाते थे। डॉ.संजय सिंह के नेतृत्व में उनकी टीम ने मलेरिया, एचपीवी, लीशमैनियासिस जैसे रोगों के टीके के विकास के लिए अनुसंधान किया और बनाया। उनके नेतृत्व में कोरोना से निपटने के लिए एमआरएनए वैक्सीन भी तैयार की गई थी।

लखनऊ विवि से एमएससी कर चुके हैं डॉ. संजय सिंह

JAGRAN CITY PAGE III

दीक्षा समारोह में डा. संजय सिंह को मिलेगी मानद उपाधि

कुलाधिपति ने तीन में से एक नाम पर किया अनुमोदन | डा. संजय ने कहा-लवि में सम्मान मिलना गौरव की बात

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में इस बार जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पुणे के सीईओ डा. संजय सिंह को मानद उपाधि दी जाएगी। विश्वविद्यालय ने डा. संजय सिंह के साथ वरिष्ठ गजल गायक पद्मश्री अनूप जलोटा और इंटेल इंडिया कंपनी की हेड निवृति राय का नाम भी प्रस्तावित करके कुलाधिपति के पास अनुमोदन के लिए भेजा था। मंगलवार को वहां से डा. संजय सिंह को मानद उपाधि दिए जाने पर सहमति बनी है।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पुणे के सीईओ डा. संजय सिंह को मानद उपाधि दी जाएगी। दैनिक जागरण से बातचीत में डा. संजय सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए बहुत सम्मान का विषय है। जहां मैं पढ़ा लिखा, वहां इस सम्मान के लिए चुना जाना बहुत बड़ी बात है।

लवि से की बीएससी, एमएससी : डा. संजय सिंह लवि के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1983 से 1985 तक बीएससी, फिर 1987 में एमएससी बायोकेमिस्ट्री से पढ़ाई की। उसके बाद सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीडीआरआइ) से वर्ष 1993 में पीएचडी किया। पिता प्रो. बीके पीएन सिंह भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर रहे हैं। छोटे भाई धनंजय सिंह ने बीएससी, एमएससी बायोकेमेस्ट्री और एमबीए यहीं से किया है। वह कहते हैं कि विश्वविद्यालय की ओर से मानद उपाधि का सम्मान मेरे लिए गौरव की बात है।

जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पुणे के सीईओ डा. संजय सिंह • हएत

डाट आरए फेम में भी दर्ज है नाम : हाल ही में विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन कराया है। इसके लिए सभी विभागों ने अपनी उपलब्धि में पूर्व छात्रों का विवरण प्रदर्शित किया था। बायोकेमिस्ट्री विभाग के हेड प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि वाल आफ फेम में डा. संजय सिंह और उनके भाई की फोटो लगी है। वह हमारे एमएससी के सहपाठी भी हैं। पीएचडी के दौरान इनके शोध जर्नल आफ बायोलाजिकल केमिस्ट्री (जेसीबी) अमेरिका में प्रकाशित होते थे। उन्होंने बताया कि डा. संजय सिंह ने जेनोवा को एक एमआरएनए वैक्सीन विकसित करने और महामारी जैसी बीमारी से मुकाबला करने के लिए भारत की पहली स्वदेशी एमआरएनए आधारित वैक्सीन तैयार करने का नेतृत्व किया है।

विद्यार्थियों ने किया सूर्य नमस्कार और योग नृत्य

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा सांस्कृतिकी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को योग हाल में दीक्षा समारोह सप्ताह के अंतर्गत योग शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग फैकल्टी के छात्र-छात्राओं ने संगीतमय सूर्य नमस्कार, योग नृत्य एवं आदियोग का बेहतरीन प्रदर्शन कर सबका दिल जीत लिया।

को-ओर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि योग सूर्य नमस्कार विश्व की एक अनुपम सौगात है। इसके अभ्यास से शरीर में चेतना का जागरण होता है। प्राणों पर संतुलन तथा मन पर नियंत्रण की प्रक्रिया शुरू होती है। सूर्य नमस्कार का अभ्यास विद्यार्थियों को प्रतिदिन करना चाहिए। योग के अभ्यास से इंद्रियों की कार्य क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अभ्यास से विचारों की प्रखरता बढ़ती है। प्राण शक्ति को साधने में मदद मिलती है। विद्यार्थियों के विकास के लिए इनका शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक, स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक तथा श्वास प्रबन्धन, जीवन प्रबन्धन एवं भावना प्रबन्धन जरूरी होता है।

योग नृत्य करते आकाश, दिव्या, अभिषेक, सत्यम, शिवम, कृष्णा और सदीप • जागरण

यहां भी हुई प्रतियोगिताएं : लवि में सांस्कृतिकी की ओर से राजनीति विज्ञान विभाग में विश्वविद्यालय सहित अन्य संयुक्त महाविद्यालयों की 37 टीमों ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। सोशल मीडिया की सामग्री विनियमित होनी चाहिए व खेलों पर मीडिया का प्रभाव विषय पर डिबेट हुई। साथ ही खेलकूद प्रतियोगिताएं भी हुईं।

समाई है तेरी सूरत हमारे दिल के कमरे में

साई हैं गणाओं की दो-चार-छह कसमें,
समाई है तेरी सूरत, हमारे दिल के कमरे में।
मोहब्बत हो गई तुमसे, जरा सुन लो,
निभाएंगे तुम्हारे साथ इस संसार की हर रस्मों।

छात्र शिवम मिश्रा गयी इन पंक्तियों के साथ कविता प्रस्तुत करते ही खूब तालियां बजीं। मौका था दीक्षा समारोह सप्ताह के अंतर्गत कविता एवं गजल कार्यक्रम का। संस्कृति सुरभि के तत्वावधान में लवि में मंगलवार को हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में सबसे पहले पंक्तिता वाचन प्रतियोगिता हुई। इसमें गौतमबुद्ध पीजी कालेज की छात्रा शगुन मिश्रा ने कविता 'जवां बाजू में रंगीन महफिले शोभा नहीं देती, घरे न धैर्य बैठी तुम सबल शमशीर बन जाओ' सुनाई। छात्र हमीद सरवर ने गजल 'गर वही होता है जो कुछ भी लिखा होता है, फिर तो मंजूर मेरे पांव के छाले मुझको' सुनाई। शिवम मिश्रा ने कुमार विश्वास की पंक्तिता 'कोई दीवाना कहता है, कोई पागल समझता है... सुनाई। निर्णायक मंडल में प्रो. रोहित मिश्र, प्रो. ललित श्रीवास्तव रहे।

LOKSATYA PAGE 4

फिर तो मंजूर मिरे पांव के छाले मुझको

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह सप्ताह के तहत तीसरे दिन कविता वाचन प्रतियोगिता में स्टूडेंट्स ने खूब उत्साह दिखाया। मंगलवार को हुई हिंदी-अंग्रेजी काव्य वाचन प्रतियोगिता की शुरुआत गौतमबुद्ध पीजी कालेज की स्टूडेंट्स शगुन मिश्रा ने कविता 'जवां बाजू में रंगीन महफिले शोभा नहीं देती'सुनाकर की।

इसके बाद मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स हमीद सरवर बहराइची ने अपनी गजल 'गर वही होता है जो कुछ भी लिखा होता है, फिर तो मंजूर मिरे पांव के छाले मुझको' सुनाकर खूब दाद पाई। विधि स्टूडेंट्स शिवम मिश्र ने चर्चित रचनाकार कुमार विश्वास की लिखी कविता 'कोई दीवाना कहता है'सुनाकर प्रभावित किया। निर्णायक मंडल के सदस्य प्रो रोहित मिश्र और प्रो ललित श्रीवास्तव ने स्टूडेंट्स की प्रशंसा की।

कमेटी के प्रेसिडेंट डॉ उग्रसेन वर्मा ने अतिथियों का आभार जताया। इस मल्टी यूनिवर्सिटी पोयट्री कंप्टीशन में कई कालेज व यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स शामिल हुए। एलयू के खेल- संस्कृति समिति के डायरेक्टर प्रो सतीश चंद्र ने स्टूडेंट्स की प्रशंसा कर सफल आयोजन की बधाई दी। दीक्षांत समारोह 21 को होगा, जिसकी मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल होंगी।

प्रतियोगिता

- एलयू में दीक्षांत समारोह सप्ताह के तहत कविता वाचन प्रतियोगिता

i-NEXT PAGE 4

डॉ. संजय सिंह को मिलेगी मानध उपाधि

कुलाधिपति ने तीन में से एक नाम पर किया अनुमोदन

डा. संजय ने कहा-जहां पढ़े लिखे, वहां सम्मान मिलना गौरव की बात

एलयू से की बीएससी और एमएससी

- डॉ. संजय सिंह एलयू के पूर्व छात्र हैं. 983 से 1985 तक बीएससी, फिर 1987 में एमएससी बायोकेमिस्ट्री से पढ़ाई की.
- उसके बाद सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीडीआरआई) से वर्ष 1993 में पीएचडी किया.
- पिता प्रो. बीके पीएन सिंह भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर रहे हैं. छोटे भाई धनंजय सिंह ने बीएससी, एमएससी बायोकेमेस्ट्री और एमबीए यही से किया है.

LUCKNOW (17 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में इस बार जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पुणे के सीईओ डा. संजय सिंह को मानद उपाधि दी जाएगी. विश्वविद्यालय ने डा. संजय सिंह के साथ वरिष्ठ गजल गायक पद्मश्री अनूप जलोटा और इंटेल इंडिया कंपनी की हेड निवृति राय का नाम भी प्रस्तावित करके कुलाधिपति के पास अनुमोदन के लिए भेजा था. मंगलवार को वहां से डा. संजय सिंह को मानद उपाधि दिए जाने पर सहमति बनी है. विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पुणे के सीईओ डा. संजय सिंह को मानद उपाधि दी जाएगी. डा. संजय सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि मेरे लिए बहुत सम्मान का विषय है. जहां मैं पढ़ा लिखा, वहां इस सम्मान के लिए चुना जाना बहुत बड़ी बात है.

वॉल आफ फेम में भी दर्ज है नाम

हाल ही में विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन कराया है. इसके लिए सभी विभागों ने अपनी उपलब्धि में पूर्व छात्रों का विवरण प्रदर्शित किया था. बायोकेमिस्ट्री विभाग के हेड प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि वाल ऑफ फेम में डॉ. संजय सिंह और उनके भाई की फोटो लगी है. वह हमारे एमएससी के सहपाठी भी हैं. पीएचडी के दौरान इनके शोध जर्नल आफ बायोलाजिकल केमिस्ट्री (जेसीबी) अमेरिका में प्रकाशित होते थे. उन्होंने बताया कि डा. संजय सिंह ने जेनोवा को एक एमआरएनए वैक्सीन विकसित करने और महामारी जैसी बीमारी से मुकाबला करने के लिए भारत की पहली स्वदेशी एमआरएनए आधारित वैक्सीन तैयार करने का नेतृत्व किया है.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

दीक्षांत समारोह के चतुर्थ दिन गजलों से रूहानी हुई शाम-ए-अवध

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के चतुर्थ दिन सांस्कृतिकी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। राजनीति विज्ञान विभाग में विश्वविद्यालय सहित अन्य संयुक्त महाविद्यालयों की 37 टीमों के विद्यार्थियों ने वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया, जिसका विषय था-'सोशल मीडिया की सामग्री विनियमित होनी चाहिए'। इसमें प्रो. राकेश कुमार मिश्रा और कृष्णा श्रीवास्तव निर्णायक मंडल के रूप में रहे। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में 'खेलों पर मीडिया का प्रभाव' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बीपीएड, एमपीएड और बीए के एआईएच विषय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शारीरिक शिक्षा विभाग में ही खेलकूद की अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। फैकल्टी ऑफ योग एंड आल्टरनेटिव मेडिसिन के द्वारा योग शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें योग फैकल्टी के छात्र एवं छात्राओं द्वारा संगीतमय सूर्य नमस्कार , योग नृत्य एवं आदि योग का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों के उत्तरोत्तर विकास के लिए इनका शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक तथा श्वास प्रबन्धन, जीवन प्रबन्धन एवं भावना प्रबन्धन जरूरी होता है। लखनऊ विश्वविद्यालय कल्चरल एवं स्पोर्ट्स कमेटी द्वितीय परिसर द्वारा हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में कविता वाचन एवं गजल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भी लखनऊ विश्वविद्यालय से संबंध विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता की शुरुवात गौतमबुद्ध पीजी कालेज की छात्रा शगुन मिश्रा की देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत निम्न पंक्तियों से हुई। वही मैनेजमेंट के छात्र हमीद सरवर बहराइची ने अपनी गजलों से समा बांधा। निर्णायक मंडल के सदस्य प्रो. रोहित मिश्रा और प्रो. ललित श्रीवास्तव ने बच्चो के प्रयास की काफी प्रशंसा की। कल पुस्तकालय विभाग संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे एवं अन्य कार्यक्रम भी होंगे, साथ ही कैलाश हॉस्टल में डांस कंपटीशन तथा अन्य कई प्रतियोगिताएं भी होंगी।

PIONEER PAGE 3

डॉक्टर संजय सिंह को मिलेगी मानद उपाधि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र रहे डॉ.संजय सिंह को 65वें दीक्षांत समारोह मे मानद उपाधि दी जाएगी। डॉक्टर संजय सिंह जेनोवा बायो फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, पुणे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी है।

डॉ सिंह ने जैव-निर्माण प्रौद्योगिकियों मे नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया है, जो हृदय, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और ऑन्कोलॉजी बाजार में सस्ता जीवन रक्षक जैव-चिकित्सीयो के व्यावसायीकरण मे परिणत हुआ। 21 जनवरी को होने वाले दीक्षान समारोह मे मानद उपाधि देने के लिए जिनेवा बायोफार्मास्यूटिकल्स पुणे के सीईओ डॉ. संजय सिंह, के अलावा इंटेल इंडिया की प्रमख श्रीमती निवृति राय एवं वरिष्ठ गायक एवं संगीतज्ञ पद्मश्री अनूप जलोटा में से किसी एक को मानद उपाधि देने के लिए संस्तुति राजभवन को कलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने भेजी थी। हालांकि भजन सम्राटअनूप जलोटा का नाम फाइनल माना जा रहा था, लेकिन अंततः संजय सिंह का नाम राजभवन ने मंगलवार को फाइनल करके भेज दिया।

HINDUSTAN PAGE 5

तीसरे दिन हिंदी व अंग्रेजी भाषाओं में कविताओं का वाचन

लखनऊ। संस्कृति सुरभि के तत्वावधान में लविवि में चल रहे दीक्षांत समारोह सप्ताह के तीसरे दिन मंगलवार को हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की शुरुआत गौतमबुद्ध पीजी कालेज की छात्रा शगुन मिश्रा की देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत पंक्तियों से हुई। मैनेजमेंट के छात्र हमीद सरवर बहराइची ने अपनी गजलों से समा बांधा। एक और प्रतिभागी और विधि छात्र शिवम मिश्रा ने कुमार विश्वास द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए कोई दीवाना कहता है, कोई पागल समझता है के तर्ज पर अपनी कुछ लाइने पेश की। ऐसे ही देर शाम तक एक से बढ़कर एक गजलों को प्रतिभागी प्रस्तुत करते रहे और दर्शक साहित्य के सहचर बने रहे। निर्णायक मंडली के सदस्य प्रो रोहित मिश्रा और प्रो ललित श्रीवास्तव ने छात्रों के प्रयास की काफी तारीफ की।

HINDUSTAN PAGE 5

डॉ. संजय सिंह को मिलेगी मानद उपाधि

लखनऊ। एलयू के 65वें दीक्षांत समारोह में जेनोवा बायो फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पुणे के सीईओ डॉ. संजय सिंह को मानद उपाधि दी जाएगी। राजभवन की ओर से आए पत्र में कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने डॉ. संजय सिंह के नाम पर मुहर लगाई। बीते सप्ताह विश्वविद्यालय की ओर से कुलाधिपति के पास तीन नाम भेजे गए थे। वहीं दीक्षांत सप्ताह के चौथे दिन भी कई प्रतियोगिताएं हुई।

AMRIT VICHAR PAGE 4

विभिन्न प्रतियोगिताओं में 37 टीमों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि के दीक्षांत सप्ताह के तहत हुए आयोजन

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के तहत मंगलवार को सांस्कृतिकी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

विवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि राजनीति विज्ञान विभाग में विश्वविद्यालय सहित अन्य संयुक्त महाविद्यालयों की 37 टीमों के विद्यार्थियों ने 'सोशल मीडिया की सामग्री विनियमित होनी चाहिए' विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इसमें प्रो राकेश कुमार मिश्रा और प्रो कृष्णा श्रीवास्तव निर्णायक मंडल के रूप में रहे। वहीं, विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में ''खेलों पर मीडिया का प्रभाव'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बीपीएड, एमपीएड और बीए के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शारीरिक शिक्षा विभाग में ही खेलकूद की अनेक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। सांस्कृतिकी निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल के नेतृत्व में समन्वयक डॉ शशि कनौजिया के प्रोत्साहन से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

डॉ. संजय को मानद उपाधि

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 65वें दीक्षांत समारोह में जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पुणे के सीईओ डॉ. संजय सिंह को मानद उपाधि से नवाजा जाएगा।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यपरिषद की बैठक में मानद उपाधि देने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद विश्वविद्यालय ने राजभवन को तीन नाम भेजे थे। जिसमें डॉ. संजय सिंह, इंटेल इंडिया कंपनी की हेड निवृति राय और गायक पद्मश्री अनूप जलोटा का नाम शामिल था। डॉ. संजय सिंह के नाम की स्वीकृति मिलने के बाद विवि प्रशासन ने 21 जनवरी को होने वाले दीक्षांत समारोह में उन्हें बुलाने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। डॉ. संजय विश्वविद्यालय के एल्युमनाई हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय से वर्ष 1987 में बायोकेमिस्ट्री से एमएससी की थी।

लविवि ने शुरू किया कानूनी सलाह केंद्र

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से निशुल्क कानूनी सेवाएं देने के लिए जानकीपुरम पुलिस थाना और मड़ियांव थाना में जागरूकता के लिए सूचना बोर्ड लगवाये। मंगलवार को उद्घाटन विधि संकायाध्यक्ष व अधिष्ठाता प्रो बीडी सिंह व विधिक सहायता केंद्र के चेयरपर्सन डॉ. आलोक कुमार यादव ने की।

विधिक सहायता केंद्र के छात्र संयोजक मनीष तिवारी ने बताया कि इस बोर्ड के लगने से पुलिस थाने आने वालों को निशुल्क कानूनी मदद मिल सकेगी। बोर्ड पर दिये गये मोबाइल नंबर से संपर्क कर कोई भी व्यक्ति निशुल्क कानूनी सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। उद्घाटन के दौरान विधि संकाय के प्रो. आनंद विश्वकर्मा, डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी, डॉ. राजीव राठी, डॉ. सीपी सिंह , डॉ. आरके सिंह व विधिक सहायता केंद्र के सदस्य सुमित, रूद्र प्रताप, आयुष्मान, आदित्य, श्वेता, अंशिका, अमन, इरा, शिवांगी, अंजसी, सुयश, कोमल, गरिमा, नीलांश, रिया, दानिश व तेजस्वी मौजूद रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

कविताओं और ग़ज़लों से सुसज्जित हुआ दीक्षांत सप्ताह

स्वतंत्रभारत संवाददाता ,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के चतुर्थ दिन सांस्कृतिकी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया । इन प्रतियोगिताओं में ग़ज़लों और कविताओं की प्रतियोगिताओं ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। राजनीति विज्ञान विभाग में विश्वविद्यालय सहित अन्य संयुक्त महाविद्यालयों की 37 टीमों के विद्यार्थियों ने वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का विषय - सोशल मीडिया की सामग्री विनियमित होनी चाहिए था । इसमें प्रो राकेश कुमार मिश्रा और प्रो कृष्णा जी श्रीवास्तव निर्णायक मंडल के रूप में रहे। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में खेलों पर मीडिया का प्रभाव विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बीपीएड, एमपीएड और बीए के ए आई एच विषय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शारीरिक शिक्षा विभाग में ही खेलकूद की अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिकी निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल के नेतृत्व में तथा समन्वयक डॉ शशि कनौजिया के प्रोत्साहन से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

फैकल्टी ऑफ योग एंड आल्टरनेटिव मेडिसिन के द्वारा योग शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें योग फैकल्टी के छात्र एवं छात्राओं द्वारा संगीतमय सूर्य नमस्कार , योग नृत्य एवं आदि योगका प्रदर्शन किया गया। समन्वयक डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि विद्यार्थियों के उत्तरोत्तर विकास के लिए इनका शारीरिक , मानसिक तथा सामाजिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक तथा श्वास प्रबन्धन, जीवन प्रबन्धन एवं भावना प्रबन्धन जरूरी होता है। जिसमें योग के पारंपरिक स्वरूप का बड़ा महत्व है।

कविताओं में झलकी देशभक्ति तो ग़ज़लों ने बांधा समा

संस्कृति सुरभि के तत्वावधान में लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे दीक्षांत समारोह सप्ताह के तीसरे दिन हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता की शुरुवात गौतमबुद्ध पीजी कालेज की छात्रा शगुन मिश्रा की देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत पंक्तियों पुकारे भारती मां ये,उठो हे लाल जग जाओ से हुई। वही मैनेजमेंट के छात्र हमीद सरवर बहराइची ने अपनी गज़लों से समा बांधा।एक और प्रतिभागी और विधि छात्र शिवम मिश्रा ने कुमार विस्वास सर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए कोई दीवाना कहता है,कोई पागल समझता है के तर्ज पर अपनी कुछ लाइने पेश की। ऐसे ही देर शाम तक प्रतिभागी एक से बढ़कर एक गज़लो को प्रतिभागी प्रस्तुत करते रहे और दर्शक साहित्य के सहचर बने रहे।

वाद-विवाद व निबंध प्रतियोगिता में दिखी विद्यार्थियों की प्रतिभा

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह सप्ताह के चौथे दिन सांस्कृतिकी की ओर से राजनीति विज्ञान संयुक्त महाविद्यालयों की 37 टीमों के स्टूडेंटस ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में उत्साह दिखाया।

'सोशल मीडिया की सामग्री विनियमित होनी चाहिए' विषयक प्रतियोगिता में प्रो राकेश कुमार मिश्रा और प्रो कृष्णा श्रीवास्तव बतौर निर्णायक मौजूद रहे। शारीरिक शिक्षा विभाग में 'खेलों पर मीडिया का प्रभाव' विषयक निबंध प्रतियोगिता हुई। जिसमें बीपीएड, एमपीएड और बीए के एआईएच के स्टूडेंट्स ने भाग लिया। फिर शारीरिक शिक्षा विभाग में ही खेलकूद प्रतियोगिताएं हुईं। सांस्कृतिकी निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल के नेतृत्व में समन्वयक डॉ शशि कनौजिया के संयोजित इस कार्यक्रम में कई स स्टूडेंट्स शामिल रहे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

छात्रों को माइंड प्रबंधन के सिखाये गुर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग के प्रबंधन कुशाग्रता सेल (मैनेजमेंट एकुमें सेल) द्वारा एक और उल्लासपूर्ण कार्यक्रम-माइंड मैनेजमेंट का आयोजन मंगलवार को हुआ। यह आयोजन विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग एवं आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के परस्पर सहयोग से आयोजित हुआ। इस आयोजन के संरक्षक कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आयोजन में शिरकत की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. निमिषा कपूर, डॉ. राम सिंह और डॉ. शिल्पी सिंह के सार्थक प्रयासों से आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम के शुरू में कुलपति ने इस सत्र की महत्ता परस्वयं के विचार प्रस्तुत किये। इस आयोजन में अंतर्राष्ट्रीय आर्ट ऑफ लिविंग के यूथ मेंटर के वाचक अनुराग सिंह और आर्ट ऑफ लिविंग की फैकल्टी की वरिष्ठ सदस्य निहारिका श्रीवास्तव मुख्य आकर्षण रहे। अनुराग सिंह तथा निहारिका श्रीवास्तव ने इस आयोजन (माइंड मैनेजमेंट) के द्वारा चाणक्य सभागार में बैठे छात्र श्रोतागणों का मन प्रबंधन में उच्च स्तर का मार्गदर्शन किया। इस आयोजित कार्यक्रम में कई प्रसंग देखने और महसूस करने को प्राप्त हुए। इसमें मन की एकाग्रता को बढ़ाना, समय प्रबंधन के बेहतर तरीके, पारस्परिक कौशल, दबाव में बेहतर प्रदर्शन, निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना आदि, सम्बंधित विषय रहें। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनकी जीवन शैली में सुधार और बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा में एक दृढ़ निश्चय से आगे बढ़ने के अनमोल

लविवि के व्यापार प्रशासन द्वारा माइंड मैनेजमेंट कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्रभारत संवाददाता ,लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय के व्यापार प्रशसान विभाग एवं आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था केसंयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को माइंड मैनेजमेंट कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। इस आयोजन के संरक्षक कुलपति महोदय प्रो. अलोक कुमार राय ने आयोजन में शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।कार्यक्रम के प्रारम्भ में माननीय कुलपति महोदय ने इस सत्र की महत्त्वता पर स्वयं के विचार प्रस्तुत किये।इस आयोजन में मुखर तथा प्रतिष्ठित वाचक अनुराग सिंह (अंतर्राष्ट्रीय आर्ट